अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातक तृतीय वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातक तृतीय वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-V

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2019 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातक तृतीय वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for B.A Programme in Hindi

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल** : चुने हुए क्षेत्र और संबद्ध विषयों में अनुसंधान और उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए अवसर की तलाश है और अनुसंधान नैतिकता, बौद्धिक संपदा अधिकारों और साहित्यिक चोरी के मुद्दों के बारे में जागरूक है। प्रासंगिक, उचित प्रश्न पूछने के लिए पूछताछ की भावना और क्षमता प्रदर्शित करें । किसी अनुसंधान परियोजना के परिणामों की योजना बनाने, निष्पादित करने और रिपोर्ट करने की क्षमता, चाहे क्षेत्र में हो या ना हो वह निगरानी में रहें।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक सरोकार प्रदर्शित करें और समता केन्द्रित राष्ट्रीय विकास और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करने और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्ध होने की क्षमता विकासित करें।।
PO3	**सामाजिक क्षमता :** व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में अच्छे पारस्परिक संबंध बनाने के लिए स्वयं को स्पष्ट और सटीक रूप से व्यक्त करें। वास्तविक और आभासी में स्वयं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने के लिए भाषाई दक्षताओं का प्रभावी उपयोग करें मीडिया समूह सेटिंग में बहु सांस्कृतिक संवेदनशीलता प्रदर्शित करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** मजबूत कार्य दृष्टिकोण और पेशेवर कौशल से लैस करें। जो उन्हें स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम बनाएगा।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** संलग्न रहने की क्षमता हासिल करें सामाजिक-तकनीकी परिवर्तन के व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवन भर सीखना।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और ज्ञान का प्रदर्शन करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और अपने क्षेत्र में स्थित समस्याओं से निपटने के लिए उच्चक्रम के संज्ञानात्मक कौशल का उपयोग करें। सामाजिक वातावरण, व्यवहार्य समाधान, प्रस्तावित करना और इसके कार्यान्वयन में सहायता करना।

Course Structure for T.Y.B.A.,Hindi (2019 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
V	Major (Mandatory)	HINGEN3501	हिंदी सामान्य–3	Theory	03
	Major (Mandatory)	HIN3502	हिंदी साहित्य का इतिहास (हिंदी विशेष–3)	Theory	03
	Major (Mandatory)	HIN3503	**हिंदी भाषा का विकास** (हिंदी विशेष–4)	Theory	03
			Total Credits Semester- V		**09**

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA]

SEMISTER – V

सामान्य हिंदी–3

HINDI GENERAL-03

PAPER CODE : HINGEN 3501 / HINGEN 3601

(2021-2022)

(2019 Pattern)

Name of the Programme:	: B.A. Hindi
Program Code	**:** BAHIN
Class	**:** B.A.
Semester	**:** V
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**:** हिंदी सामान्य–3
Course Code	**:** HINGEN 3501 / HINGEN 3601
No. of Lectures	**:** 48
No. of Credits	**:** 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. छात्रों को हिंदी आत्मकथा विधा तथा हिंदी गजल के विकास तथा उनके स्वरूप का परिचय देना।
2. छात्रों को हिंदी आत्मकथा तथा हिंदी गजल की परिभाषा तथा उसकी विशेषताओंकी जानकारी देना।
3. छात्रों को आत्मकथा तथा हिंदी गजल के विविध रूपों से परिचित कराना।
4. छात्रों को पारीभाषिक शब्द तथा संक्षिप्तियों के माध्यम से सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त की जानेवाली कार्यालयीन हिंदी से परिचित कराना।
5. छात्रों को पत्र लेखन की पद्धति से अवगत कराना।
6. छात्रों को पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना।
7. छात्रों में आत्मकथा तथा हिंदी गजल के काव्य प्रकार से अवगत करके रचनाकारों का परिचय देना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्रों में वैयक्तिक छुपी हुई भावनाएँ विकसित होंगी।

CO2- छात्रों को एक साथ अनेक आत्मकथाओं का परिचय देकर उनमें प्रेरणा जागृत होंगी।

CO3- आत्मकथा से लेखक की असली परख का छात्रों को परिचय देकर भविष्य में अच्छा नागरिक बनने की प्रेरणा जागृत होंगी।

CO4- गजल लेखन की परंपरा से छात्रों में लेखन की भावना विकसित होंगी।

CO5- गजल का परिचय देकर छात्रों में गजल काव्य प्रकार से कल्पना शक्ति जागृत होंगी।

CO6- छात्रों में अंग्रेजी / मराठी से हिंदी में अनुवाद करने की कला विकसित होंगी।

CO7- पत्राचार के माध्यम से छात्रों की स्वाभाविक भावनाएँ विकसित होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. स्वाध्याय।
2. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
3. ग्रंथालय के माध्यम से छात्रो को विभिन्न आत्मकथाकारी के तथा गजलकारों की मौलिक कृतियों से परिचित कराना
4. सरकारी कार्यालयों को भेट।
5. दुक श्राव्य माध्यमो । संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनौका प्रयोग।
6. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
7. कथ्य एवं भाव के अनुसार आत्मकथा विधा तथा गजल का अध्यापन।

पाठ्य पुस्तकें

1. सृजन संदर्भ और मैं : आत्मकथांश

संपादक डॉ. पी. व्ही कोटमे, डॉ. व्ही एन. भालेराव

प्रकाशक : हिंदी साहित्य निकेतन, 16 साहित्य विहार,

बिजनौर (उत्तर प्रदेश) 24670

फोन -01342-2653232,09368141411

2. साए में धूप- रचनाकार -दुष्यंतकुमार

प्रकाशक -राधाकृष्ण प्रकाशन, 7131,

अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

वर्ष जनवरी 1, 2008

विधा-गजल ISBN 978-81 7119-784-1

प्रथम सत्र

पाठ्यविषय

इकाई नं.	पाठ्यविषय	क्रेडिट
इकाई-I	सृजन संदर्भ और मैं : आत्मकथांश : 1. आत्मकथापरिभाषा -, स्वरुप, विकास, प्रकार i) निम्नलिखित आत्मकथांश अध्ययन के लिए है - 1. मेरा जीवनप्रेमचंद- 2. क्या भूलें क्या याद करूँहरिवंशराय बच्चन- 3. टुकड़े टुकडे दास्तान अमृतलाल नागर -(मै लेखक कैसे बना)	**1**
इकाई-II	सृजन संदर्भ और मैं आत्मकथांशः : ii) निम्नलिखित आत्मकथाश अध्ययन के लिए है- 4. जो कहा नहीं गया कुसुम असल (प्रेम एक इच्छा है) 5. शब्दकाया सुनीता जैन 6. अपने अपने पिंजर मोहनदास नैमिषराय - 7. सतप्त दलित पीड़ा का देश सूरजपाल चौहान)	**1**
इकाई-III	पाठ्य पुस्तकेत्तर-पाठ्यक्रम i) पारिभाषिक शब्दावली -सूची सलग्न (पदनाम)50 ii- कार्यक्रम संयोजन कौशल्य का परिचय ((इसमें सकल्पना एवं स्वरूप, उद्देश्य, कार्यक्रम की प्रस्तावना, परिचय स्वागत, सम्मान, सूत्रसंचलन, अभिमत, आभार ज्ञापन, कार्यक्रम पत्रिवत आदि का परिचय अपेक्षित है। iii) अनुवाद लेखन (अंग्रेजी/ मराठी) :	**1**

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रशासनिक हिंदी टिप्पण, प्रारूपण और पत्रलेखन - डॉ. हरिमोहन
2. व्यावहारिक पत्रलेखन कला डॉ. डी. एस. पोखरिया
3. व्यावहारिक हिंदी-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव/भोलानाथ तिवारी
4. व्यावहारिक हिंदी और रचना - कृष्णकुमार गोस्वामी
5. व्यावहारिक हिंदी डॉ. प्रेमचंद पतंजलि
6. व्यावहारिक हिंदी -प्रो. रहमतुल्लाह
7. सामान्य हिंदी -डॉ. केदार शर्मा /डॉ. महेंद मिश्रा
8. मानक हिंदी व्याकरण शशि शेखर तिवारी
9. पत्र-व्यवहार निर्देशिका भोलानाथ तिवारी
10. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे

11. हिंदी खंडकाव्य परंपरा रामेश्वर दयाल दुबे
12. आधुनिक गद्य की विविध विधाएँ उदयभानु सिंह
13. आधुनिक खण्डकाव्यों में युग चेतना डॉ. एन. डी. पाटील
14. गदय के रूप संपा. शशिभूषण सिंहल
15. नई कविताएँ प्रबंध काव्य शिल्प और जीवन दर्शन डॉ. उमाकांत गुप्ता
16. दुष्यंतकुमार और उनका काव्य डॉ. सुरेश साळुखे
17. आत्मकथा विधा शास्त्र और इतिहास -डॉ. बापूराव देसाई, गरिमा प्रकाशन कानपुर
18. हिंदी लेखिकाओं की आत्मकथाएँ- डॉ. सरजू प्रसाद मिश्र, अमन प्रकाशन, कानपुर
19. आत्मकथा साहित्य सिद्धांत और समीक्षा डॉ. आनंद सिंदल, अमन प्रकाशन, कानपुर
20. बच्चन का आत्मकथा साहित्य अंजु शर्मा, आस्था प्रकाशन, भोपाल
21. प्रतिरोध का दस्तावेज महिला आत्मकथाएँ -नीरु संजय प्रकाशन, नई दिल्ली -2
22. हिंदी दलित आत्मकथाएँ एक अनुशीलन डॉ. अभय परमार, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर
23. बच्चन की आत्मकथा संक्षेपण अजितकुमार, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया
24. एक कहानी यह भी मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, इलाहाबाद
25. अपने अपने पिंजरे मोहनदास नैमिशराय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
26. मुक्त गगन में विष्णु पभाकर, राजपाल एन्ड सन्ज, दिल्ली
27. गजल की बात - वीनस केसरी
28. किताब-ए-गजल उर्दू शायरी डॉ. नदीम इकबाल
29. फिराक गोरखपुरी एक गजल अल्पना वर्मा
30. गजल की संपूर्ण जानकारी मंगन सिंह

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **TYBA** (Sem V) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HINGEN 3501

Tittle of Course : हिंदी सामान्य -3

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1					3				
CO 2		2			2				
CO 3		3							
CO 4					3				
CO 5						2			
CO 6	2								
CO 7						2			
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO 6: छात्रों में अंग्रेजी मराठी से / हिंदी में अनुवाद करने की कला विकसित होंगी साथ ही उनमें अनुसंधान दृष्टि भी विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO3- आत्मकथा से लेखक की असली परख का छात्रों को परिचय देकर भविष्य में अच्छा नागरिक बनने की प्रेरणा जागृत होंगी।

PO3: सामाजिक क्षमता :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5 : **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO1- आत्मकथा के माध्यम से छात्रों में वैयक्तिक छुपी हुई भावनाएँ विकसित होंगी।

CO2- छात्रों को एक साथ अनेक आत्मकथाओं का परिचय होगा और उनमें प्रेरणा जागृत होंगी।

CO4- गजल लेखन की परंपरा से छात्रों में लेखन की भावना विकसित होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO5- गजल का परिचय परिचय होगा और छात्रों में गजल काव्य प्रकार से कल्पना शक्ति जागृत होंगी।

CO7- पत्राचार के माध्यम से छात्रों की स्वाभाविक भावनाएँ विकसित होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

.....

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA]

SEMISTER – V

हिंदी साहित्य का इतिहास

(हिंदी विशेष–3)

PAPER CODE : HIN 3502

(2021-2022)

(2019 Pattern)

Name of the Programme:	: B.A. Hindi
Program Code	**:** BAHIN
Class	**:** B.A.
Semester	**:** V
Course Type	**:** Major Mandatory
Course Name	**:** हिंदी साहित्य का इतिहास (हिंदी विशेष–3)
Course Code	**:** HIN3502
No. of Lectures	**:** 48
No. of Credits	**:** 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा से अवगत करना ।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के कालखंडों के नामकरण एवं पृष्ठभूमि का परिचय देना ।
3. साहित्य कृतियों और साहित्यकारों पर छात्रों द्वारा स्वाध्याय एवं आलेख लेखन।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर वस्तुनिष्ठ एवं लघुतरी प्रश्न।
5. हिंदी साहित्य की प्रतिनिधि रचनाओं और रचनाकारों का महत्त्व, विकासक्रम, साहित्य के परिवर्तनों के कारण तथा परवर्ती प्रभाव विशद करना।
6. हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से साहित्य और युगजीवन का संबंध विशद करना।
7. आधुनिक युग की सामाजिक, राजनितिक धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य में आए हुए बदलाव से छात्रों को अवगत कराना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- हिंदी साहित्य के इतिहास अध्ययन से छात्रों को भारतीय संस्कृति का परिचय होगा।

CO2- इतिहास के अध्ययन द्वारा किसी राष्ट्र के उत्थान के साथ साथ उसके पतन की परिस्थिति से छात्र अवगत होंगे।

CO 3- इतिहास के अध्ययन से मानव की सभ्यता से अवगत करने के साथ वही सभ्यता की सिख छात्रों में निर्माण होंगी।

CO 4- इतिहास से सम्बंधित ग्रंथ हिंदी के विद्वान आदि का परिचय देकर छात्रों में शोधार्थी की दृष्टि

विकसित होंगी।

CO 5- इतिहास ही पथ दर्शक होता है, छात्रों में वही दृष्टि विकसित होंगी।

CO 6- इतिहास कालीन भाषा, ग्रंथ, रचना, रचनाकार आदि का परिचय देकर छात्रों में ज्ञानवर्धन होगा।

CO 7- आधुनिक युग की सामाजिक, राजनितिक धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य में आए हुए बदलाव से छात्र परिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति -

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. साहित्य कृतियों और साहित्यकारों पर छात्रों द्वारा स्वाध्याय एवं आलेख लेखन।
3. हिंदी पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित साहित्येतिहास की सामग्री छात्रों द्वारा संकलित करना।
4. द्रुक -श्राव्य माध्यमों / संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
5. अतिथियों के व्याख्यान, संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

आदिकाल से रीतिकाल तक

इकाई नं.	पाठ्यविषय	क्रेडिट
इकाई-I	1. हिंदी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण 2. आदिकाल- i) आदिकाल की पृष्ठभूमि संक्षेप में राजनितिक, सामाजिक, धार्मिक साहित्यिक। ii) आदिकालीन वीरगाथा तथा रासो साहित्य की प्रवृत्तियाँ। iii) आदिकालीन रचनाकारों का परिचय चंदबरदाई, अमीर खुसरो iv) आदिकालीन रचनाओं का परिचय खुमान रासो, बीसलदेव रासो	**1**
इकाई-II	3. भक्तिकाल -(पूर्व मध्यकाल) i) भक्तिकाल की पृष्ठभूमि संक्षेप में राजनितिक, सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक। ii) निर्गुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएँ ज्ञानाश्रयी शाखा तथा प्रेमाश्रयी शाखा की विशेषताएँ। iii) सगुण भक्ति साहित्य और उसकी शाखाएँ कृष्णभक्ति शाखा- और रामभक्ति शाखा की विशेषताएँ। iv) निम्नलिखित रचनाकारोंका संक्षेप में परिचय कबीर-, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, रहीम। v) निम्नलिखित रचनाओं का संक्षेप में परिचय रामचरित मानस-, भ्रमरगीत, पदमावत।	**1**

इकाई-III	4. रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल) i) रीतिकाल की पृष्ठभूमि संक्षेप में राजनितिक -, सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक। ii) रीतिकाल का नामकरण iii) रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ। iv) रीतिकालीन रचनाकारोंका का संक्षेप में परिचयकेशवदास-, बिहारी, घनानंद। v) रीतिकालीन रचनाओंका संक्षेप में परिचय शिवाबावनी -, बिहारी सतसई।	**1**

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास -डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास-सपा डॉ नगेंद्र
4. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ. लक्ष्मीसागर वाष्णेय
5. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ डॉ. गोविंदराम शर्मा
6. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा
7. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों -डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
8. हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास - डॉ. राजनाथ शर्मा
9. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय
10. हिंदी साहित्य कादूसरा इतिहास -डॉ. बच्चन सिंह
11. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ. विजयपाल सिंह
12. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ. श्रीनिवास शर्मा
13. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. रामरतन भटनागर
14. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. माधव सोनटक्के
15. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास भाग 1-2 डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
16. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास डॉ. मोहन अवस्थी
17. हिंदी गद्य का उदभव और विकास -डॉ. मोहन शास्री
18. हिंदी का गद्य इतिहास डॉ. रामचंद्र तिवारी
19. हिंदी साहित्य का इतिहास आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. भक्ति आंदोलन -डॉ. शिवकुमार मिश्र
21. रीति काव्य - डॉ. जगदीश गुप्त, वसुमती इलाहाबाद, 1968
22. समकालीन कवी और काव्य कल्याणचन्द्र, चिंतन प्रकाशन कानपूर
23. आधु. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ. बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
24. साहित्य की दिशाएँ डॉ. मृत्युंजय उपाध्याय, अमर प्रकाशन, मथुरा
25. हिंदी उपन्यास की प्रवृतियाँ डॉ. शशिभूषण सिंहल प्रेमप्रकाशन मंदिर दिल्ली

26. हिंदी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास-मोहन, वाणी प्रकाशन
27. अंतिम दशक की हिंदी कहानियाँ संवेदना और शिल्प- डॉ. नीरज शर्मा
28. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास - शिवकुमार मिश्र वाणी प्रकाशन दिल्ली
29. नई कविताके सात अध्याय- डॉ. देवेश ठाकुर, मौलिक साहित्य प्रकाशन दिल्ली
30. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य विनय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली
31. साहित्य और समय अन्त संबोन्धो पर पुनर्विचार-सं. बद्री नारायण, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
32. हिंदी साहित्य में युगीन बोध - डॉ. शैलजा भारद्वाज, चिंतन प्रकाशन कानपूर
33. आधुनिक कविता का इतिहास - डॉ. लक्ष्मी नारायण चातक, विश्व भारती प्रकाशन, दिल्ली
34. आधुनिक कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ - डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लि. हाउस दिल्ली
35. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास- डॉ. सुमन राजे
36. स्वातंत्रोतर हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. लक्ष्मीसागर वाष्णेय

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **TYBA** (Sem V) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN 3502

Tittle of Course : हिंदी साहित्य का इतिहास (हिंदी विशेष–3)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1			2						
CO 2			2						
CO 3									
CO 4	3								
CO 5						2			
CO 6								2	
CO 7			3						
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO4- इतिहास से सम्बंधित ग्रंथ हिंदी के विद्वान आदि का परिचय देकर छात्रों में शोधार्थी की दृष्टि विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO1- हिंदी साहित्य के इतिहास अध्ययन से छात्रों को भारतीय संस्कृति का परिचय होगा।

CO2- इतिहास के अध्ययन द्वारा किसी राष्ट्र के उत्थान के साथ साथ उसके पतन की परिस्थिति से छात्र अवगत होंगे।

CO7- आधुनिक युग की सामाजिक, राजनितिक धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के बदलाव के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य में आए हुए बदलाव से छात्र परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5: व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO3- इतिहास के अध्ययन से मानव की सभ्यता से अवगत करने के साथ वही सभ्यता की सिख छात्रों में निर्माण होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO5- इतिहास ही पथ दर्शक होता है, छात्रों में वही दृष्टि विकसित होंगी।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO6- इतिहास कालीन भाषा, ग्रंथ, रचना, रचनाकार आदि का परिचय देकर छात्रों में ज्ञानवर्धन होगा।

स्नातक तृतीय वर्ष कला [TYBA]

SEMISTER – V

हिंदी भाषा का विकास

(हिंदी विशेष–4)

PAPER CODE : HIN 3503

(2021-2022)

(2019 Pattern)

Name of the Programme: : B.A. Hindi
Program Code : BAHIN
Class : B.A.
Semester : V
Course Type : Major Mandatory
Course Name : हिंदी भाषा का विकास (हिंदी विशेष–4)
Course Code : HIN3503
No. of Lectures : 48
No. of Credits : 03

a) उद्देश्य (Course Objectives):

1 छात्रों को भाषा की परिभाषा, स्वरूप तथा उसकी विषताओं की जानकारी देना।

2. छात्रों को भाषा के विविध रूपों से परिचित कराना।

3. छात्रों को हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित कराना।

4. हिंदी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।

5. छात्रों को हिंदी के संवैधानिक स्वरूप तथा राष्ट्रभाषा का प्रचार करनेवाली संस्थाओं से परिचित कराना।

6. भाषा विज्ञान के अंगों तथा भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय कराना।

7. लिपि के स्वरूप एवं उत्पत्ति का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता की जानकारी देना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1- छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होंगी।

CO 2 -हिंदी भाषी प्रदेश में बोली जाने वाली बोलियों छात्र परिचित होंगे।

CO 3- हिंदी भाषा के विस्तृत शब्द भंडार से छात्र परिचित होकर उसका प्रयोग करेंगे।

CO 4- छात्र हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होकर उसका प्रयोग करेंगे।

CO 5- साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता से अवगत होंगे।

CO 6- देवनागरी लिपि की उत्पत्ति तथा उसकी वैज्ञानिकता को समझेंगे।

CO 7- छात्रों में भाषा के प्रति संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. हिंदी की बोलियों का भौगोलिक रेखांकन एवं आलेख तैयार करना।
3. दृक-श्राव्य माध्यमो / संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
4 भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए प्रात्यक्षिको की सहायता।
5. भाषा प्रयोगशाला में प्रयोग।
6. अतिथियों के व्याख्यान, संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
7. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

SEMISTER – V

इकाई नं.	पाठ्यविषय	क्रेडिट
इकाई-I	1. भाषा की परिभाषाएँ, स्वरूप तथा भाषा की विषिताएँ। 2. भाषा के विविध रूपबोली-, भाषा, परिनिष्ठित भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सपर्क भाषा, संचार भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा आदि का सामान्य परिचय।	**1**
इकाई-II	3. हिंदी बोलियो का वर्गीकरण राजस्थानी -, पचिमी, पूर्वी, बिहारी, पहाड़ी का सामान्य परिचय। हिंदी की उपबोलियों का सामान्य परिचय ब्रज, अवधी, खड़ीबोली और भोजपूरी आदि। (भौगोलिक क्षेत्र, साहित्य, विशेषताएँ आदि की जानकारी अपेक्षित ।)	**1**
इकाई-III	4. हिंदी का शब्द भंडार तत्सम तदभव -, देशज, विदेशी आदि शब्दों का परिचय। 5. लिपि विज्ञान नागरी लिपि का सामान्य परिचय, नागरी लिपि की विशेषताएँ।	**1**

संदर्भ ग्रंथ-

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ देवेद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा विज्ञान - डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र - डॉ कपिलदेव दविवेदी, विश्वविदयालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5. अभिनव भाषा विज्ञान - डॉ ओमप्रका। शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे
6. हिंदी भाषा का स्वरूप विकास - डॉ. जगत पाल शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 110: 002
7. व्यवहारोपयोगी एवं कामकाजी हिंदी - प्रा. अनंत केदारे, साहित्यायन प्रकाशन, कानपुर
8. हिंदी भाषा कल और आज - डॉ पूरनचंद टंडन, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिंदी राष्ट्रभाषा राजभाषा जनभाषा - डॉ शंकर दयाल सिंह, किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
10. भाषा का संसार - डॉ दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11.हिंदी भाषा - डॉ भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, असारी रोड, नई दिल्ली
12. हिंदी की वर्तनी और शब्द प्रयोग मीमांसा - किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली
13. हिंदी भाषा की शब्द-संरचना - डॉ भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, असारी रोड, नई दिल्ली
14. भारतीय अस्मिता और हिंदी - डॉ शंभुनाथ, किताबघर प्रकाषन अंसारी रोड, नई दिल्ली
15.हिंदी भाषा अतीत से आज तक - डॉ विजय अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **TYBA** (Sem V) **Subject**: HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN3503

Tittle of Course : हिंदी भाषा का विकास (हिंदी विशेष–4)

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1								3	
CO 2						2			
CO 3						2			
CO 4						2			
CO 5								2	
CO 6								3	
CO 7	3								
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO 7- छात्रों में भाषा के प्रति संशोधन वृत्ति विकसित होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

PO3: सामाजिक क्षमता :

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO 2 -हिंदी भाषी प्रदेश में बोली जाने वाली बोलियों छात्र परिचित होंगे।

CO 3- हिंदी भाषा के विस्तृत शब्द भंडार से छात्र परिचित होकर उसका प्रयोग करेंगे।

CO 4- छात्र हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरूप से परिचित होकर उसका प्रयोग करेंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO1- छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होंगी।

CO 5- साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता से अवगत होंगे।

CO 6- देवनागरी लिपि की उत्पत्ति तथा उसकी वैज्ञानिकता को समझेंगे।